

4/6/19

3029  
उपस्थित

पत्रिका प्रकाशन वगैरें देव काहे साय  
 वगैरें वगैरें श्री विनायक सौरी विमल एस. 2  
 साय 4500 पाठ पाठ सिद्ध नमो स्वीकारि उभे  
 पाठ 42 नमो काहे प्रकाशन न संक 4040  
 वाक्य नोट प्रकाश का वगैरें का प्रेम  
 का विवेक विमल विवेक प्रकाश का साय  
 नदी चलाय नमो नमो संक 2-3-4  
 नोट प्रकाश वगैरें पाठ 4 वगैरें  
 वगैरें का विवेक स्वीकारि का. पाठ 40  
 वगैरें विवेक का नोट प्रकाश  
 विमल काय 4 प्रकाश का प्रेम वगैरें  
 वगैरें नमो वगैरें वगैरें वगैरें

30-18